

दिनांक-25.6.2020

---

संकल्पना-रचना (पत्र लेखन)

प्रकार

नमूना

उदाहरण

औपचारिक पत्र :

इस श्रेणी के पत्रों को कई उपवर्गों में बाँटा जा सकता है; जैसे -

- प्रधानाचार्य को लिखा जाने वाला प्रार्थना पत्र
- कार्यालयों को लिखा जाने वाला प्रार्थना पत्र
- शिकायत सुझाव संबंधी पत्र
- संपादकीय पत्र
- आवेदन पत्र
- अन्य पत्र

इन पत्रों को लिखने का ढंग तथा इनकी भाषा-शैली में अंतर होता है। इन पत्रों का प्रारूप समझ लेने से पत्र लेखन में सुविधा होती है।

## 1. प्रधानाचार्य को लिखे जाने वाले पत्र का प्रारूप

सेवा में प्रधानाचार्य/प्रधानाचार्या जी	
.....	← (विद्यालय का नाम एवं पता)
.....	
.....	
विषय : .....	← (विषय का उल्लेख)
महोदय/महोदया/श्रीमान जी	← संबोधन
.....	} पत्र का विस्तार या मुख्य विषय वस्तु
.....	
.....	
.....	
.....	
.....	← (समापन)
.....	← धन्यवाद ज्ञापन
आपका आज्ञाकारी शिष्य/आज्ञाकारिणी शिष्या	
.....	← (नाम)
.....	← (कक्षा वर्ग एवं अनुक्रमांक)
.....	← (दिनांक)

### प्रधानाचार्य के नाम पत्रों के कुछ उदाहरण

1. आपके विद्यालय में पीने के पानी की व्यवस्था अच्छी नहीं है। छात्रों की धक्का-मुक्की में एक छात्र गिरकर चोटिल हो गया। इसका उल्लेख करते हुए अपने विद्यालय के प्रधानाचार्य को पीने के पानी की व्यवस्था ठीक करवाने हेतु प्रार्थना पत्र लिखिए।

उत्तर:

परीक्षा भवन,  
परीक्षा केंद्र,  
अ. ब. क. नगर,  
दिनांक-26 अप्रैल, 20XX

सेवा में  
प्रधानाचार्य जी  
राजकीय सर्वोदय विद्यालय  
सेक्टर 15, रोहिणी  
दिल्ली।  
विषय-पीने के पानी की अव्यवस्था के संबंध में।

महोदय  
सविनय निवेदन यह है कि इस विद्यालय की नौवीं कक्षा का छात्र हूँ। इस विद्यालय में लगभग ढाई हजार

छात्र-छात्राएँ अध्ययनरत हैं। इतने छात्रों के लिए पीने के पानी की व्यवस्था के रूप में तीन टॉटियाँ लगी हैं जिससे हर समय यहाँ भीड़ लगी रहती है। यहाँ अक्सर छात्रों को धक्का-मुक्की करते देखा जा सकता है। प्रायः बड़ी कक्षा के छात्र छोटे बच्चों को किनारे करके खुद पानी पीने की जल्दी में रहते हैं। परसों ही किसी बड़े छात्र के धक्के से छोटी कक्षा का छात्र गिर गया। इससे उसका हाथ टूट गया और उसे अस्पताल ले जाना पड़ा।

आपसे प्रार्थना है कि हम छात्रों की समस्या को ध्यान में रखते हुए नई टंकी रखवाने एवं टोटियों की संख्या बढ़ाने का कष्ट करें।

सधन्यवाद

आपका आज्ञाकारी शिष्य

अ.ब.क.

X B अनु. 15

2. आपके विद्यालय में खेल सुविधाएँ बहुत कम हैं। अपने विद्यालय के प्रधानाचार्य को पत्र लिखिए, जिसमें खेल संबंधी सुविधाएँ उपलब्ध कराने की प्रार्थना की गई हो।

उत्तर:

परीक्षा भवन,  
परीक्षा केंद्र,  
अ. ब. क. नगर,  
दिनांक-2 फरवरी, 20XX

सेवा में

प्रधानाचार्य महोदय

रा.व.मा. बाल विद्यालय

मंगोलपुरी दिल्ली।

विषय-खेल संबंधी सुविधाओं के संबंध में।

महोदय

मैं आपके विद्यालय की दसवीं कक्षा का छात्र हूँ। मैं आपका ध्यान इस विद्यालय में खेल संबंधी कमियों की ओर आकर्षित कराना चाहता हूँ।

श्रीमान, बरसात के बाद हमारे विद्यालय के खेल का मैदान जगह-जगह के कारण मच्छर एवं अन्य कीट-पतंगों की भरमार हो गई है जिससे वहाँ खेला नहीं जा सकता है। इसके अलावा यहाँ खेल के सामानों की घोर कमी है। इससे खेल-पीरियड में हमें माँगने पर सामान नहीं मिल पाता है। जो सामान मिलते हैं वे दयनीय स्थिति में होते हैं। इससे हम छात्र खेलने से वंचित रह जाते हैं और हम चाहकर भी खेल प्रतियोगिताओं में कोई पदक नहीं ला पाते हैं।

अतः आपसे प्रार्थना है कि खेलों का नया सामान मँगवाने के अलावा खेल के मैदान की दशा सुधारने के लिए आवश्यक कदम उठाने की कृपा करें।

धन्यवाद

भवदीय,

अ.ब.क.

X 'अ' अनु-10

13 अगस्त, 20XX

3. आपके विद्यालय के पुस्तकालय में हिंदी की पत्र-पत्रिकाओं की घोर कमी है, जिससे हिंदी माध्यम के छात्र पुस्तकालय जाने में अरुचि दिखाने लगे हैं। इस ओर प्रधानाचार्य का ध्यान आकृष्ट करवाते हुए प्रार्थना पत्र लिखिए।

उत्तर:

परीक्षा भवन,

परीक्षा केंद्र,

अ. ब. क. नगर,

दिनांक-20 जनवरी, 20XX

सेवा में

प्रधानाचार्य जी

नवदीय सीनियर सैकेंड्री स्कूल

नांगलोई, दिल्ली।

विषय-विद्यालय के पुस्तकालय में हिंदी पत्र-पत्रिकाओं की संख्या बढ़ाने के संबंध में।

महोदय

विनम्र निवेदन यह है कि मैं इस विद्यालय की दसवीं कक्षा का छात्र हूँ। हमारे विद्यालय का पुस्तकालय अत्यंत समृद्ध है। यहाँ तरह-तरह के विषयों की हजारों पुस्तकें हैं। यहाँ नियमित रूप से अनेक समाचार-पत्र और पत्रिकाएँ मँगवाई जाती हैं पर इनमें हिंदी माध्यम के समाचार पत्र और पत्रिकाओं की संख्या नगण्य है। कभी-कभी एक-दो पत्रिकाएँ मँगवाकर खानापूति कर दी जाती है। यहाँ की पुरानी पत्र-पत्रिकाएँ पढ़कर हमारा जी भर गया है। इससे अब हिंदी माध्यम के छात्र पुस्तकालय आने में रुचि नहीं लेते हैं। हम छात्र चाहते हैं कि यहाँ भी चंदा माना, चंपक, लोट-पोट, बाल हंस, पराग, नंदन, सुमन सौरभ आदि पत्रिकाएँ मँगवाई जाएँ।

आपसे प्रार्थना है कि हम छात्रों की रुचि देखते हुए हिंदी की उक्त पत्रिकाएँ मँगवाने का कष्ट करें।

सधन्यवाद

आपका आज्ञाकारी शिष्य

अ.ब.क.

4 आपके विद्यालय की कैंटीन में खाद्य सामग्री की घटती गुणवत्ता की ओर ध्यान आकर्षित कराते हुए अपने विद्यालय के प्रधानाचार्य को पत्र लिखिए।

उत्तर:

परीक्षा भवन,  
परीक्षा केंद्र,  
अ. ब. क. नगर,  
दिनांक-11 जनवरी, 20XX

सेवा में  
प्रधानाचार्य जी  
जयहिंदी पब्लिक स्कूल  
लाजपत नगर IV, दिल्ली

विषय-कैंटीन की खाद्य सामग्री की घटती गुणवत्ता के संबंध में।

महोदय

निवेदन यह है कि मैं इस विद्यालय की दसवीं कक्षा का छात्र हूँ। छात्रों को ताजा एवं पौष्टिक भोजन मिल सके, इसके लिए कैंटीन की व्यवस्था की गई थी। शुरू-शुरू में कैंटीन में मिलने वाला भोजन घर के भोजन के समान ही स्वादिष्ट एवं पौष्टिक होता था परंतु आजकल इस कैंटीन के भोजन की गुणवत्ता का स्तर गिर गया है। अब तो बस यहाँ जंक फूड की अधिकता में बाकी सब दबकर रह गया है। कभी-कभी तो बासी समोसे और बासी ब्रेड-पकौड़े ताज़ा के नाम पर बेच दिए जाते हैं जिसका प्रतिकूल असर छात्रों के स्वास्थ्य पर पड़ रहा है। ये वस्तुएँ खाकर कई छात्र बीमार भी पड़ चुके हैं।

आपसे प्रार्थना है कि आप स्वयं औचक निरीक्षण कर वास्तविकता को जानें और खाद्य सामग्री की गुणवत्ता में सुधार लाने का कष्ट करें।

धन्यवाद

आपका आज्ञाकारी शिष्य

अ. ब. क.

X-सी अनु-44

5. विज्ञान एवं गणित विषयों की अतिरिक्त कक्षाएँ आयोजित करवाने के लिए उचित कारण बताते हुए अपने विद्यालय के प्रधानाचार्य को प्रार्थना पत्र लिखिए।

उत्तर:

परीक्षा भवन,  
परीक्षा केंद्र,  
अ. ब. क. नगर,  
दिनांक-11 जनवरी, 20XX

सेवा में  
प्रधानाचार्य जी  
रा.व.मा. बाल विद्यालय  
ज्योतिनगर, दिल्ली।

विषय-विज्ञान एवं गणित विषयों की अतिरिक्त कक्षाएँ आयोजित करवाने के संबंध में।

महोदय

विनम्र निवेदन यह है कि मैं इस विद्यालय की दसवीं कक्षा का छात्र हूँ। हमारी कक्षा में विज्ञान एवं गणित विषयों का पाठ्यक्रम पूरा नहीं करवाया गया है। हमारे विज्ञान शिक्षक का स्थानांतरण हुए एक महीना बीत गया है परंतु कोई अध्यापक हमें पढ़ाने नहीं आता है। इसी तरह गणित के अध्यापक करीब बीस दिन से अवकाश पर होने के कारण नहीं आ रहे हैं। इस कारण इन दोनों विषयों की पढ़ाई नहीं हो पा रही है जबकि सितंबर के दूसरे सप्ताह से हमारी एस.ए. 1 की परीक्षा शुरू हो रही है।

आपसे प्रार्थना है कि विज्ञान एवं गणित विषयों की अतिरिक्त कक्षाएँ आयोजित करवाने की कृपा करें ताकि हम छात्र परीक्षा में अनुत्तीर्ण होने से बच सकें।

सधन्यवाद  
आपका आज्ञाकारी शिष्य  
अ. ब. क  
X डी अनु. 20  
17 अगस्त, 20XX